६. नाट्य

मूलभूत गतिविधियाँ

आओ निम्नलिखित कृतियाँ सामग्री के बिना करें

१. तख्ते पर रखा डिब्बा उतारें ।

२. पतंग उड़ाएँ ।

३. फूलों का हार बनाएँ ।

वाचिक अभिनय

हम पाठशाला से घर जा रहे थे । ठंड के दिन थे । अंधेरा हो रहा था । मेरे मित्र अपने अपने घर चले गए । मेरा घर दूर है । मैं अकेला ही जाने लगा । मुझे कूंऽऽ कूंऽऽ आवाज सुनाई दी । मैं इधर-उधर देखने लगा । रास्ते के बगल में एक गड्ढे में कुत्ते का छोटा-सा पिल्ला गिरा था । वह मिट्टी से सन गया था । मुझे उस पर दया आ गई । गड्ढे में झुककर उस पिल्ले को बाहर निकाला । वह भय और ठंड से थरथर काँप रहा था । मैंने उसके शरीर पर लगी मिट्टी झटकी । उस पिल्ले को लेकर मैं घर आ गया । माँ राह देख रही थी । मुझे लगा कि वह गुस्सा होगी । पर वह बोली, ''अरे, कितना छोटा है यह पिल्ला । चल हम इसे दूध देंगे ? पिल्ले को बशी में दूध दिया । झटपट दूध पीकर वह दुम हिलाने लगा । फिर एक खाली खोखा लाया । उसमें पुरानी चादर बिछाई और खोखे में रखते ही वह सो गया ! मुझे खेलने के लिए एक अच्छा मित्र मिल गया ।

- गीत में किए गए वर्णन के अनुसार कृति करवा लें । विविध कृतियों का अभिनय द्वारा प्रस्तुतीकरण करवाएँ । कृतियों का परिचय करवा दें ।
- आशय के अनुसार आवाज में चढ़ाव-उतार करने के लिए कहें । वाचिक अभिनय द्वारा कहानी कहने के लिए प्रोत्साहित करें ।

उपलब्ध सामग्री का उपयोग

अपने परिसर, घर तथा मित्रों के पास से अनेक वस्तु प्राप्त करके हम नाटक, नृत्य तथा गाने के लिए उनका उपयोग कर सकते हैं ।

पेड़ की शाखाएँ, पत्ते–फूल, समाचार पत्र, कार्ड बोर्ड, लाठियाँ आदि । प्रसंग और आशय के अनुसार घर के ज्येष्ठ सदस्य–दादी, दीदी, भैया वगैरह हमें वेशभूषा के लिए सहायता करेंगे । समाचार पत्र की टोपियाँ, कार्ड बोर्ड के मुकुट, तलवार, लाठियों के भाले ऐसी अनेक वस्तुएँ हम तैयार कर सकते हैं । इसी को **नेपथ्य** कहते हैं ।

चलो नाटक करें

प्लास्टिक हटाएँगे ! पर्यावरण बचाएँगे ।

(वसंत, राघव और सुमन पाठशाला के मैदान पर गपशप करते बैठे हैं ।)

राघव : क्या विचार कर रहे हो वसंत ?

वसंत : अरे, स्वच्छ पर्यावरण के बिना हम अधिक समय तक रह ही नहीं सकते ।

राघव : सच है तेरा, हमें आजूबाजू में देखने पर क्या दिखता है ?

सुमन : प्लास्टिक की बोतलें, थैलियाँ, कागज... उनमें सबसे अधिक मात्रा चॉकलेट्स और अन्य खाद्य पदार्थों के कागजों का ही दिखाई देती है ।

सुमन : हाँ रास्ते के दोनों ओर मैदान के किनारे, बगीचे में सभी तरफ वही प्लास्टिक का कचरा दिखाई देता है ।

- परिसर की वस्तुओं का उपयोग नाटक में कैसे करें इसके संबंध में जानकारी दें । कुछ वस्तुओं के नमूने दिखाएँ ।
- आशयानुसार परिसर की वस्तुओं का उपयोग करके नाटक के दृश्य प्रस्तुत करने के लिए कहें ।

वसंत : इस पर कोई उपाय करना चाहिए ।

सुमन : क्या करें... ?

राघव : इस पर्यावरण में सबसे अधिक प्रदूषण प्लास्टिक के कचरे के कारण ही होता है ऐसा मुझे लगता है ।

सुमन : इसका पुनर्उपयोग किया तो उससे अनेक वस्तुएँ बनाई जा सकती है ।

वसंत : लेकिन वे प्लास्टिक की ही वस्तुएँ तैयार होंगी ना ?

सुमन : मैं तो कहती हूँ इस प्लास्टिक के भस्मासुर को भगाकर ही चैन लेना चाहिए ।

राघव : इसके लिए आओ हम अपने से ही शुरूआत करें ।

सुमन : पहले गीला और सूखा कचरा अलग करें ।

वसंत : अपना परिसर स्वच्छ रखें और कचरा कूड़ेदान में ही डालें ।

राघव : प्लास्टिक की थैलियों के बजाय कपड़े की थैली का उपयोग करें ।

वसंत : पानी के लिए स्टील की बोतल का उपयोग करें और भोजन के लिए स्टील के डिब्बे का उपयोग करें ।

राघव : मित्रो, प्लास्टिक के आवरण वाला कोई भी पदार्थ पाठशाला में लाना नहीं है । तभी यह अभियान सफल होगा ।

सुमन : इस अभियान को सफल बनाने हेतु अपने माता-पिता, शिक्षक एवं सभी मित्रों को भी अपने साथ लेना चाहिए ।

सारे मित्र : चलो फिर पाठशाला और घर को प्लास्टिक मुक्त करें । प्लास्टिक हटाएँगे ! पर्यावरण बचाएँगे !

- नाटक में परिसर की वर्तमान स्थिति पर विद्यार्थी विचार कर रहे हैं । यह उदाहरणों से दिखाया है । विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता दें ।
- आशय के अनुसार नाटक के दृश्य प्रस्तुत करने एवं उसके लिए जहाँ आवश्यक हो वहाँ चित्रों का उपयोग करने के लिए कहें ।